भारत सरकार
जल संसाधन मंत्रालय
केन्द्रीय जल आयोग

रामचन्द्र झा
अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग

सेवा भवन, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली
दिनांकः 14 सितम्बर, 2011

अपील

हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर आप सबको मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

देश की एकता और प्रगति में जनभाषा हिन्दी की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए 14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया था कि स्वतंत्र भारत की राजभाषा देवनागरी में लिखी हिन्दी होगी। इस महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक निर्णय की पावन स्मृति में हम प्रति वर्ष 14 सितम्बर को 'हिन्दी दिवस' के रूप में मनाते आ रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में केन्द्रीय जल आयोग और इसके नियंत्रणाधीन कार्यालयों में सभी स्तरों पर हिन्दी का प्रयोग बढ़ा हैं परंतु हमें जिस स्तर पर अपना कार्य करना है हम वहां तक अभी नहीं पहुंच पाए हैं, इसलिए आप सभी लोग हिन्दी से भावनात्मक रूप से जुड़ें। स्वयं को मानसिक रूप से तैयार करें और राजभाषा हिन्दी में कार्य करने के लिए तत्पर रहें ताकि भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों एवं आदेशों के अनुरूप सभी कार्यों को सफलतापूर्वक राजभाषा में निरंतरता से निष्पादित कर सकें।

कम्प्यूटर पर हिन्दी का प्रयोग करने में महसूस की जा रही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए आयोग (मुख्यालय) के लगभग सभी कम्प्यूटरों पर यूनिकोड समर्थित हिन्दी सॉफ्टवेयर 'सारांश' अपलोड कर दिया गया है। आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय भी इसी प्रकार से हिन्दी के सॉफ्टवेयरों का प्रयोग सुनिश्चित करें। आशा है कि आप इस सॉफ्टवेयर का भरपूर लाभ उठाते हुए अपने दैनिक सरकारी कार्यों में अधिक से अधिक हिन्दी का प्रयोग करेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सरकारी कामकाज में इस सॉफ्टवेयर के प्रयोग से आयोग में हिन्दी भाषा की स्थिति और अधिक सुदृढ़ होगी। हमें कठिन शब्दों का प्रयोग न करके आम बोलचाल के शब्दों का प्रयोग करना चाहिए ताकि जनसाधारण भी इसे अच्छी तरह से समझ सके और अपना सके।

मैं 'हिन्दी दिवस' के उपलक्ष्य में केन्द्रीय जल आयोग (मुख्यालय) तथा इसके सभी क्षेत्रीय/नियंत्रणाधीन कार्यालयों के अधिकारियों/कर्मचारियों से अपील करता हूँ कि वे अपना अधिक से अधिक काम हिन्दी में करके केन्द्रीय जल आयोग को गौरवान्वित करें। सभी के योगदान से ही इसमें सफलता सुनिश्चित की जा सकती है। पखवाड़े के दौरान आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं में भी बढ़–चढ़ कर भाग लें।

आइए, इस अवसर पर हम सब हिन्दी के प्रति अपने संवैधानिक दायित्व को समझते हुए शपथ लें कि हम अपना सरकारी कामकाज यथासंभव हिन्दी में करेंगे और राजभाषा के विकास में अपना योगदान देंगे।

(रामचन्द्र झा)

प्रतिलिपिः–

केन्द्रीय जल आयोग (मुख्यालय) एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण।